10/3/25 पत्रावली पेश हुई अधिवक्ता वादी उपस्थित
मूल दावा खारिज हो चुका है प्रार्थना पत्र
सारहीन होने से खारिज किया जाता है
पत्रावली मिसल शुमार होकर नम्बर से कम हो
मूलवाद के साथ संलग्न रहे। निर्णय सरे
इजलास पढ़कर सुनाया गया।

Scanned by CamScanner